है उसमें हम कम्पीट कर सकते हैं। और इसमें हमारा निर्यात बढ़ता जायेगा।

श्री रघुनाथ सिंह : हम यह जानना चाहते हैं कि जापान और हिन्दुस्तान के कपड़े के मूल्यों में क्या फर्क है ?

श्री सतीश चन्द्र : डेलीगेशन ने कोई ५०० सफ़े की रिपोर्ट दी है। मैं मूल्य के फर्क के बारे में तो नहीं कह सकता। लेकिन जाहिर है कि जब हमारा कपड़ा वहां जाने लगा है तो उसका मूल्य कम्पिटीटिव है।

Indian Cement Factories in Pakistan

+

*250. **Shri S. A. Mehdi:**
Shri Ram Krishan Gupta:
Shri A. M. Tariq:
Sardar Iqbal Singh:

Will the **Prime Minister** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 342 on the 22nd February, 1960 and state:

(a) whether any Indian-owned cement factory in Pakistan has been purchased by the Pakistan Government; and

(b) if so, the name of the factory and price paid by the Pakistan Government?

The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Shri Hem Barua: In reply to a question, it was said that Pakistan proposed to buy some factories owned by the Assam-Bengal Companies, Calcutta and the Associated Cement Companies of India. What has happened to that proposal?

Shri Sadath Ali Khan: They have not bought them so far.

Mr. Speaker: Have they been purchased?

Shri Sadath Ali Khan: No, Sir; they were considering the purchase of these factories, but they have not done it.

Shri Hem Barua: There was some proposal also and some negotiations. I want to know whether some agreements, conditions and terms have been communicated to the Government of India or not.

Shri Sadath Ali Khan: The matter is still pending.

Shri Vidya Charan Shukla: Is it a fact that the Indian owners of cement factories in Pakistan have been finding it difficult to send the legitimate profits to India and if so whether Government have been approached for help in this mater?

Shri Jawaharlal Nehru: They have been finding difficulty in sending the money and that is the reason why there has been some talk of their selling the factories to the Pakistan people.

त्रिशूल के लिए युगोस्लाव का अभियान

*२५१. **श्री भक्त दर्शन** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस ग्रीष्म काल में एक युगोस्लावी पर्वतारोही दल को गढ़वाल (उत्तर प्रदेश) के त्रिशूल पर्वत पर चढ़ने की अनुमति दी गई थी;

(ख) यदि हां, तो इस दल के कौन कौन सदस्य थे;

(ग) उनके साथ नियुक्त किये गये भारतीय सम्पर्क अधिकारी का नाम क्या है;

(घ) इस पर्वतारोही दल को क्या सहायता दी गई; और

(ङ) इस दल को अपने उद्देश्य की प्राप्ति में कहां तक सफलता मिली ?

The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) Yes, Sir.

(b) 1. Mr. Makhota.
2. Mr. A. Kunave.
3. Mr. M. Kersic.
4. Mr. C. Debeijak.
5. Mr. Z. Jerin.
6. Dr. A. Robic.

(c) Capt V. Badhwar of the Ministry of Defence.

(d) (i) Exemption from customs duty on non-consumable goods and equipment, subject to the condition that these would be re-exported after the completion of the expedition.

(ii) Daily weather reports for the expedition on the short wave by the All India Radio.

(iii) Permission for the import of personal arms and ammunition for the duration of the expedition.

(e) The expedition is reported to have reached the summit.

श्री भक्त दर्शन : क्योंकि यूगोस्लाविया की ओर से हिमालय में आने वाला यह सबसे पहला दल है, तो क्या इस दल की ओर से सरकार को कोई रिपोर्ट मिली है, और अगर मिली है तो उसका आशय क्या है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : रिपोर्ट कैसी । शायद पहुंच गये हैं । लेकिन अभी तो उनको मौका भी नहीं होगा रिपोर्ट भेजने का ।

अध्यक्ष महोदय : क्या उन्होंने कोई रिपोर्ट भेजी है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : रिपोर्ट क्या, खबर भेज सकते हैं, और जैसा कि अभी कहा गया, यह सुना गया है कि वह चोटी पर पहुंच गये हैं ।

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि इन विदेशी पर्वतारोही दलों के साथ जो हमारे सम्पर्क अधिकारी यानी लेयाजां आफिसर नियुक्त किये जाते हैं इनका क्या कर्तव्य होता है । मुझे सूचना मिली है कि हमारे भारतीय सम्पर्क अधिकारी को विदेशी पर्वतारोही बेस कैम्प तक ही ले जाते हैं आगे नहीं ले जाते जब कि वह पहाड़ पर चढ़ने में समर्थ हैं । क्या गवर्नमेंट को इस बारे में कोई शिकायत मिली है, और क्या सरकार उस पर विचार कर रही है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी नहीं, हमको कोई शिकायत नहीं मिली है, हम नहीं जानते । आम तौर से कोई ऐसी टीम जिसमें सात, आठ, दस आदमी होते हैं, उनमें से एक दो आदमी ही चोटी तक पहुंचते हैं, बाकी रास्ते में रुकते जाते हैं ।

श्री भक्त दर्शन : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में कोई ऐसी शिकायत आयी है कि हमारे सम्पर्क अधिकारी जबकि वे चोटी पर जाने के योग्य भी थे तब भी उनको यह तुहमत लगा कर शामिल नहीं किया गया कि वह भारतीय हैं ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : हमारे पास इस तरह की कोई शिकायत नहीं आयी है । बल्कि ऐसे मामले में तो जो टीम का लीडर होता है आखिरी फैसला उसी का होता है, जैसे कि जहाज के कप्तान का होता है या हवाई जहाज के पाइलट का होता है । बड़ से बड़े अफसर को पाइलट का हुक्म मानना पड़ता है ।

Committee on Peaceful Uses of Outer Space

*252. **Shri Kalika Singh:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) why India and the United Arab Republic decided not to take part in the meeting in New York in May and June, 1959, of the *ad hoc* Committee on peaceful uses of outer space appointed as a result of 20-Power Draft resolution adopted by General Assembly of the U.N. on the 13th December, 1958;

(b) whether the Outer Space Committee established on the 12th December, 1959, of which India is a member, has begun its work; if so, the work done so far;